मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में मुख्यमंत्री निवास पर बैंक ऑफ बड़ौदा तथा बैंक ऑफ महाराष्ट्र के साथ एमओयू हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 'विकसित राजस्थान 2047' के तहत पांच वर्षों की कार्य योजना बनाकर 'सर्वजन हिताय' आधारित समावेशी विकास का लक्ष्य रखा है।

बैंक ऑफ बड़ौदा व बैंक ऑफ महाराष्ट्र से राज्य के लिये बड़े ऋण का एम.ओ.यू.

मुख्यमंत्री भजनलाल ने दोनों बैंकों के सहयोग को बुनियादी ढांचे की मजबूती में मील का पत्थर बताया

- **बैंक ऑफ बड़ौदा राज्य की ऊर्जा, सड़क, पेयजल व स्वच्छता आदि की विभिन्न परियोजनाओं के लिये अगले 6 वर्ष 20 हजार करोड़ रूपए प्रति वर्ष के ऋण प्रदान करेगा।**
- **इसी तरह बैंक ऑफ महाराष्ट्र भी अगले 6 वर्ष 10 हजार करोड़ रूपये के ऋण राजस्थान सरकार को उपलब्ध करायेगा।**

जयपुर, 6 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने 'विकसित राजस्थान 2047' के तहत पांच वर्षों की कार्य योजना बनाकर 'सर्वजन हिताय' आधारित समावेशी विकास का लक्ष्य रखा है।

उन्होंने कहा कि इस कार्य योजना के तहत भविष्य के लिए दस संकल्प निर्धारित किए गए हैं। इन संकल्पों में बुनियादी ढांचे का विकास करना और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर पर पहुंचाना भी शामिल है।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर बैंक ऑफ बड़ौदा तथा बैंक ऑफ महाराष्ट्र के साथ राज्य सरकार के दो एमओयू हस्ताक्षरित करने के अवसर पर बोल कर रहे थे। इन एमओयू के अनुसार, बैंक ऑफ बड़ौदा अगले छह वर्षों यानी 31 मार्च 2030 तक, प्रति वर्ष 20 हजार करोड़ रूपये का ऋण प्रदान करेगा। इसके साथ ही, बैंक ऑफ महाराष्ट्र भी प्रति वर्ष 10,000 करोड़ रूपये का ऋण उपलब्ध कराएगा। यह धनराशि राजस्थान सरकार की विभिन्न परियोजनाओं, विशेषकर आधारभूत ढांचा क्षेत्र जैसे बिजली एवं नवीकरणीय ऊर्जा, सड़क, पेयजल और स्वच्छता के लिए उपयोग में ली जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये हमारे लिए गर्व का विषय है कि बैंक ऑफ बड़ौदा और बैंक ऑफ महाराष्ट्र जैसे देश के प्रतिष्ठित बैंक अब राजस्थान की विकास यात्रा में भागीदार बनने जा रहे हैं। हमारे प्रदेश के आधारभूत ढांचे को सशक्त करने की दिशा में, बैंक ऑफ बड़ौदा और बैंक ऑफ महाराष्ट्र का यह सहयोग एक बड़ा कदम है और आज का यह समझौता प्रदेश के बुनियादी ढांचे की मजबूती में मील का पत्थर साबित होगा।

शर्मा ने कहा कि आज की साझेदारी राज्य के विकास और जनकल्याण की दिशा में नए आयाम स्थापित करेगी तथा विकसित भारत 2047 एवं विकसित राजस्थान 2047 की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

इस अवसर पर, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरगामी सोच के अनुरूप, राज्य सरकार प्रदेश के बुनियादी ढांचे में भारी निवेश की परिकल्पना के साथ कार्य कर रही है। दोनों बैंकों के साथ सम्पन्न एमओयू राज्य के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के भागीरथ प्रयास हैं।

इस अवसर पर, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव वित्त (बजट) देबाशीष पृष्टी, बैंक ऑफ बड़ौदा के एमडी एवं सीईओ देबदत्त चंद, कार्यकारी निदेशक ललित त्यागी, बैंक ऑफ महाराष्ट्र के कार्यकारी निदेशक रोहित ऋषि सहित दोनो बैंकों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

कैनडा के प्रधानमंत्री टूडो ने इस्तीफा दिया

उनकी पार्टी के सांसदों का कई महीनों से टूडो पर प्रधानमंत्री पद छोड़ने का दबाव था

- **प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो पर यह आरोप था कि नेशनल मुद्दों पर से जनता का ध्यान हटाने के लिये वे भारत विरोधी एजेण्डा चला रहे थे।**

टोरंटो, 06 जनवरी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने इस्तीफा दे दिया है। टूडो ने सोमवार को देश को संबोधित करके पद छोड़ने का ऐलान किया। टूडो ने कहा, "मैं लिबरल पार्टी के नेता और पीएम पद छोड़ने का ऐलान करता हूं। मुझे लगता है कि मैं 2025 के इलेक्शन के लिए लिबरल पार्टी की तरफ से अच्छा ऑप्शन नहीं हूं।" कनाडाई न्यूज सीबीसी ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि टूडो प्रधानमंत्री के पद पर तब तक पद पर बने रहेंगे, जब तक उनका उत्तराधिकारी चुन नहीं लिया जाता। टूडो के इस्तीफे के बाद ऐसा माना जा रहा है कि तय समय से पहले चुनाव की मांग हो सकती है।

टूडो पर उनकी लिबरल पार्टी के सांसदों की तरफ से कई महीनों से पद छोड़ने का दबाव बनाया जा रहा था। बीते दिनों डिप्टी पीएम और वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने टूडो सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए पद छोड़ दिया था। इसके बाद टूडो पर दबाव बढ़ गया था। टूडो पर नेशनल मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए भारत विरोध एजेंडा चलाने का आरोप भी है।

कनाडाई नागरिकों को संबोधित करते हुए जस्टिन टूडो ने कहा, "मेरी तमाम कोशिशों को बाद भी, संसद कई महीनों तक पैरालाइज्ड रही। लेकिन, मैं एक फाइटर हूं। मुझे मेरे देश कनाडा की फिक्र है और रहेगी। मैं अपने देश की बेहतरी के लिए लड़ता रहा हूं। ये लड़ाई आगे भी जारी रहेगी।"

जस्टिन टूडो ने कहा, "लिबरल पार्टी के भीतर आंतरिक लड़ाइयां थीं, जिसके कारण मुझे पार्टी प्रमुख और कनाडाई पीएम के रूप में पद छोड़ने का फैसला लेना पड़ा।" 53 वर्षीय टूडो ने कहा, "मैंने मेरी पूर्व पत्नी और बच्चों के साथ लंबी चर्चा के बाद पीएम पद छोड़ने का फैसला लिया है।"

दरअसल, बीते कुछ सालों में जस्टिन टूडो की लिबरल पार्टी में विद्रोह की आवाज तेज हुई है। सियान कैसी और केन मैक्डोनाल्ड सहित, पार्टी के कई हाई प्रोफाइल सांसद सार्वजनिक तौर पर जस्टिन टूडो के खिलाफ अपनी राय दे चुके हैं। इन सांसदों ने अपने प्रधानमंत्री के बयानों और फैसलों को गलत बताया है, उनकी लीडरशिप पर सवाल उठा चुके हैं। पार्टी की ओर से टूडो पर पीएम पद छोड़ने का दबाव बनाया जा रहा है। कनाडा की सत्ताधारी लिबरल पार्टी के कई नेताओं का आरोप है कि जस्टिन टूडो भारत के खिलाफ आरोप लगाकर सरकार की नाकामी छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के मुताबिक, लिबरल पार्टी के कम से कम 20 सांसदों ने जस्टिन टूडो के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे को लेकर एक पिटीशन पर साइन किए हैं।

कनाडा के लोगों में टूडो सरकार के खिलाफ नाराजगी बढ़ती जा रही है। इस नाराजगी की सबसे बड़ी वजह आर्थिक अस्थिरता और बढ़ती महंगाई है। यहां खाने-पीने और रहने का खर्चा बढ़ता ही जा रहा है।

इसके साथ ही, पिछले कुछ समय से कनाडा में कट्टरपंथी ताकतें तेज हुई हैं। खालिस्तानी हमलों और गतिविधियों से भी लोग परेशान हैं।

अप्रवासियों की बढ़ती संख्या और कोविड-19 के बाद बने हालातों के चलते, टूडो को राजनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

रोहिणी (दिल्ली) ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक अन्य पोस्ट में कहा गया, "जब टैलिप्रॉम्पटर फेल होता है तो फर्जी वक्ता की बोलती बंद हो जाती है। इस फेंकू की हर बात फेक (फर्जी) है।"

एक और ट्वीट आई, "जितनी चाबी भरी राम ने....... अरे उतना चले खिलौना।"

दूसरे यूज़र ने लिखा, "हमने टैलिप्रॉम्पटर प्रधानमंत्री को चुना है। टैलिप्रॉम्पटर के बिना मोदी वैसी ही हैं, जैसे ई.वी.एम. के बिना भाजपा।"

एक अन्य यूज़र ने कहा, "एक देश, दो टैलिप्रॉम्पटर, दोनों फेल हो गए।"

एक यूज़र बोला, "जैसे दिल्ली में भाजपा फेल हुई, वैसे ही मोदी जी का टैलिप्रॉम्पटर फेल हो गया। लेकिन, कोई चिंता नहीं, पिछले चार सालों में मोदी जी ने अपनी छवि सुधारने के लिए जनता का 4,300 करोड़ रूपया खर्च किया है।"

एक ने कहा, "टैलिप्रॉम्पटर फेल हो गया, पर क्या दिमाग भी फेल हो गया। अरे भाई, आप 8,000 करोड़ रूपए का एयरोप्लेन खरीद सकते हैं, एक अच्छा टैलिप्रॉम्पटर भी खरीद लीजिए।"

एक यूज़र की पोस्ट में नेहरू फिर वापस आ गए। उसने लिखा: "आखिरकार वो नेहरू ही थे जिन्होंने टैलिप्रॉम्पटर का तार काटा, जिसके कारण महान वक्ता मोदी जी भाषण के बीच में ब्लैंक हो गए।"

युवा राजद ने पटना में आक्रोश मार्च निकाला

- **वे बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे हैं।**

गया, 06 जनवरी। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा रद्द कराने की मांग को लेकर युवा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) कार्यकर्ताओं ने आक्रोश मार्च निकाला।

युवा राजद के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को शहर के गांधी मैदान से आक्रोश मार्च निकाला,जो विभिन्न सड़क मार्ग से होते हुए शहर के टावर चौक पहुंचा। टावर चौक के समीप कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला फूंका, साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

राजद प्रवक्ता गोपाल कृष्ण उर्फ जुगनू यादव ने कहा कि बीपीएससी जैसी परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक हो जाता है, इससे बड़ी हास्यास्पद बात क्या होगी। अब और परीक्षाओं की क्या स्थिति होगी, यह स्वयं समझा जा सकता है।

बीपीएससी परीक्षा रद्द कराने की मांग को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के आ ान पर छात्र राजद और युवा राजद के कार्यकर्ताओं ने कुमार का पुतला फूंकने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि बीपीएससी के मामले पर जो लोग आमरण अनशन कर रहे हैं, उन पर भी सरकार दमनकारी अभियान चला रही है। यह कहीं से सही नहीं है। छात्र राजद और युवा राजद इसकी घोर निंदा करती है।

एलन मस्क ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वे अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा नहीं कर पाए और इस्लामिक आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भी साथ खड़े नहीं हुए।

मस्क ने एक्स पर ऐसी ऑफिशियल रिपोर्ट्स का हवाला दिया और कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए उत्तरदायी संस्थाएं पूर्णतया विफल रही हैं।

मस्क की ब्रिटिश प्रधानमंत्री और ब्रिटिश सरकार की संस्थाओं की आलोचना का मूल यह है कि इनकी विफलता के कारण सालों से बच्चों का योन शोषण हो रहा है। रंगभेद का ठप्पा लगने और अपराधियों के मूल का उल्लेख करने के डर के कारण, उन्होंने दशकों तक बच्चों का यौन शोषण होने दिया। इसमें ब्रिटिश सरकार की कुछ रिपोर्ट्स का हवाला दिया, जिनमें पाकिस्तानियों द्वारा बच्चों के यौन शोषण की घटनाएं हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, 2019 से 2022 के बीच 15,000 बच्चों का यौन शोषण हुआ था।

नक्सलियों के विस्फोट में नौ जवान शहीद हुए

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट कर सुरक्षा बलों के एक वाहन को उड़ा दिया

- **विस्फोट इतना भयंकर था कि मौके पर 15 फिट गहरा गड्ढा बन गया। बस्तर के आईजी ने आठ जवान और एक ड्राइवर के शहीद होने की पुष्टि की।**

बीजापुर, 06 जनवरी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर से दूर कुटरू मार्ग पर नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट कर सुरक्षाबलों के एक वाहन को उड़ा दिया जिससे नौ जवान शहीद हो गए तथा कुछ जवान घायल हो गये। इससे पहले मुठभेड़ में महिला माओवादी समेत पांच नक्सलियों को ढेर कर सोमवार अपराह्न लौटते समय नक्सलियों ने शक्तिशाली विस्फोटक उपकरण (आईईडी) का विस्फोट किया। नक्सलियों ने यह हमला बीजापुर जिले के कुटरू-बेद्रे रोड पर उस वक्त किया, जब दंतेवाड़ा, नारायणपुर और बीजापुर की संयुक्त ऑपरेशन पार्टी ऑपरेशन करके वापस लौट रही थी।

विस्फोट इतना भयंकर था कि इसके कारण मौके पर 15 फीट का गड्ढा बन गया। बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी ने इस हादसे में आठ जवान और एक ड्राइवर के शहीद होने की पुष्टि की है।

उन्होंने बताया कि इस अभियान में नारायणपुर, दंतेवाड़ा, जगदलपुर व कोंडागांव की डीआरजी टीमों के साथ स्पेशल टास्क फोर्स के जवान भी शामिल थे। कुछ जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल जवानों को हेलीकॉप्टर से रायपुर ले जाया गया है।

बीजापुर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन चल रहा था। सोमवार को सुबह टीम सर्चिंग के लिए निकली थी। कुछ सूत्रों ने घायल जवानों की संख्या में भी बढ़ोतरी की आशंका जताई है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ के बीजापुर में नक्सलियों द्वारा किये गये विस्फोट में जिला रिजर्व गार्ड के जवानों की मौत पर दुख व्यक्त किया और सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जवानों को खोने की सूचना से अत्यंतु दुखी हूं। वीर जवानों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। हम मार्च 2026 तक भारत की भूमि से नक्सलवाद को समाप्त करके ही रहेंगे।

डूंगरपुर में 2 माह के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया था, लेकिन अब बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ है। डॉक्टर ने बताया कि इस बीमारी से घबराने की जरूरत नहीं है।

सीएमएचओ डॉ अलंकार गुप्ता ने बताया कि बच्चा रीछा गांव का रहने वाला हैं। बच्चे के परिजन अहमदाबाद में उसके साथ हैं। गांव में एक मेडिकल टीम को भेजा है, जो घर-घर जाकर सर्वे कर रही है। वहीं, सीएमएचओ डॉ. अलंकार गुप्ता ने बताया कि विभाग को मिली सूचना के अनुसार, रिछा गांव में 2 माह के बच्चे का एचएमपीवी वायरस से संक्रमित होना बताया गया। ऐसे में चिकित्सा विभाग का दल जांच करने पहुँचा। दल ने जांच में पाया कि बच्चे का जन्म 23 अक्टूबर को मोडासा के निजी अस्पताल में हुआ था बच्चे में निमोनिया के लक्षण थे, बच्चे के स्वस्थ होने पर पिता उसे नानी के घर भीलूड़ा लेकर आ गए। 24 दिसम्बर को बच्चे को खांसी, जुखाम, बुखार व सर्दी लगने की समस्या हुई। ऐसे में इलाज के लिए बच्चे के माता-पिता उसे 26 दिसम्बर को अहमदाबाद के निजी अस्पताल लेकर गए, जहां उसका इलाज किया गया और निजी लेब में सैम्पल की जांच की गई। बच्चा एमएसपी वायरस से ग्रसित था। यह एक सामान्य वायरस है। 5 जनवरी को बच्चे को डिस्चार्ज कर दिया गया। बच्चा पूर्ण रूप से स्वस्थ है। चिकित्सा विभाग के दल द्वारा क्षेत्र के आस-पास निगाह रखी जा रही है। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि यह वायरस साल 2001 से मौजूद है, लेकिन इसका प्रभाव सामान्य रहा है। इस वायरस से मौत का कोई मामला और चिंताजनक स्थिति सामने नहीं आई है।

फिरोजाबाद में बंद पड़े मंदिरों को हिंदूवादी संगठनों ने खुलवाया

जिले के रसूलपुर व रामगढ़ के मुस्लिम इलाकों में ये मंदिर गत 30 साल से बंद थे

- **नगर मजिस्ट्रेट के अनुसार मंदिर 60 साल पुराना है। मकान बेचने वाला परिवार दूसरी जगह बस गया तब से मंदिर पड़ा था।**

फिरोजाबाद, 06 जनवरी। उत्तर प्रदेश में फिरोजाबाद जिले के रसूलपुर और रामगढ़ क्षेत्र के मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में अर्से से बंद पड़े हनुमान और शिव मंदिरों को हिंदूवादी संगठनों की पहल पर जिला प्रशासन ने खुलवाया। जिला प्रशासन ने सभी लोगों से शांति व्यवस्था बनाये रखने की अपील की है।

संभल, बदायूं और मुरादाबाद के बाद, फिरोजाबाद में भी करीब 60 वर्ष पुराने मंदिर, जो लगभग 30 सालों से बंद पड़े थे, बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की पहल पर जिला प्रशासन द्वारा ताला तोड़कर उन मंदिरों की साफ-सफाई कराई गई।

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा थाना रसूलपुर क्षेत्र में पुराना रसूलपुर आबादी के गली नंबर 8 में एक बंद पड़े हुए मंदिर की जानकारी जिला प्रशासन को दी गई। नगर मजिस्ट्रेट राजेन्द्र कुमार एसपी सिटी रवि शंकर प्रसाद ने अपनी मौजूदगी में ताला तुड़वाया।

नगर मजिस्ट्रेट राजेन्द्र कुमार के अनुसार, मंदिर पर एक पत्थर लगा हुआ है, जिस पर विक्रम संवत 2020 मे मंदिर का निर्माण करने वाले रामदयाल लालाराम और पंचम सिंह के नाम अंकित हैं। मंदिर के अंदर हनुमान जी की क्षतिग्रस्त प्रतिमा मिली है। हिंदूवादी संगठनों ने अंदर की साफ-सफाई कर हनुमान चालीसा का पाठ किया।

वहीं, सोमवार को थाना रामगढ़ क्षेत्र में 60 फुटा रोड पर नूरी मस्जिद के पास भी एक बंद पड़े हुए शिव मंदिर की जानकारी मिली। मौके पर पहुंचे बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद आदि संगठनों के नेताओं ने प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में मंदिर की साफ-सफाई कराई।

'कांग्रेस दिल्ली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं, "गृह ज्योति स्कीम" में 200 यूनिट बिजली निशुल्क दी जा रही है तथा "गृह लक्ष्मी योजना" के अन्तर्गत, प्रत्येक महिला को 2,000 रूपए दिये जा रहे हैं। करीब-करीब सभी महिलायें इस योजना से लाभान्वित हो रही हैं।"

दिल्ली-प्रभारी निज़ामुद्दीन ने कहा कि विधानसभा चुनावों से पहले, "प्यारी दीदी योजना" कांग्रेस की पहली गारंटी है।

उन्होंने कहा, "प्यारी दीदी योजना" चुनावों से पहले कांग्रेस की प्रथम गारंटी है। कांग्रेस समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिये प्रतिबद्ध है।"

भाजपा पर प्रहार करते हुये उन्होंने कहा, "भाजपा के झूठे वादों से सभी परिचित हैं- चाहे बैंक खातों में 15 लाख रु. डालने का वादा हो, चाहे युवाओं को रोजगार देने का वादा है। लेकिन भाजपा की तरह, झूठ नहीं बोलती है। जहाँ हमारी सरकार है, वहाँ हम जनता के हर वर्ग, खास तौर से महिलाओं की बेहतरी के लिये कार्य कर रहे हैं।"

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष ने भी दिल्ली की सत्ता में आने के बाद "प्यारी दीदी योजना" लागू किये जाने का वचन दिया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में भी सत्ता में आने के बाद, कांग्रेस ने अपनी सभी गारन्टियाँ पूरी की हैं।

उच्चाधिकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

द्वारा समिति के सदस्यों और किसान नेताओं के बीच बैठक के बारे में सूचित किए जाने के बाद सुनवाई टालते हुए मौखिक रूप से कहा, हमें उम्मीद है कि इससे कुछ सकारात्मक निकलेगा। पीठ के समक्ष सिब्बल ने प्रदर्शनकारी और उच्चाधिकार प्राप्त समिति (शीर्ष अदालत की ओर से गठित) के प्रमुख अवकाश प्राप्त न्यायमूर्ति नवाब सिंह से आज मुलाकात होने संबंधी जानकारी दी। इसके बाद शीर्ष अदालत ने मामले पर 10 जनवरी को विचार करने से पहले समिति और अन्य को परिणाम से अवगत कराने को कहा। डल्लेवाल 26 नवंबर से पंजाब हरियाणा के खनौरी सीमा पर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे हैं। शीर्ष अदालत ने कृषि उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी देने वाले कानून बनाने समेत किसानों की अन्य मांगों को लेकर चल रहे विवाद को सुलझाने के लिए पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति नवाब सिंह के नेतृत्व में एक समिति गठित की थी। न्यायमूर्ति सिंह की अध्यक्षता में एक उच्चाधिकार प्राप्त इस समिति का गठन दो सितंबर को किया गया था।

चीनी वायरस के अब तक भारत में 5 मामले सामने आये

- **बेंगलुरु के दो, गुजरात के एक तथा तमिलनाडु के दो मामलों में वायरस की पुष्टि हुई।**

नई दिल्ली, 06 जनवरी। चीन में ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस (एचएमपीवी) बहुत तेजी से फैल रहा है। यह वायरस अब धीरे-धीरे भारत में भी पैर पसारने लगा है। भारत में अब तक इस वायरस के पांच केस सामने आ चुके हैं। बेंगलुरु में दो मामलों के बाद गुजरात के अहमदाबाद में भी 2 महीने के एक बच्चे की रिपोर्ट पॉज़िटिव आई है। तमिलनाडु में भी दो बच्चों में एचएमपीवी की पुष्टि हुई है। इसमें से एक चेन्नई का मामला है और दूसरा सलेम जिले का। सरकार ने बताया कि दोनों की स्थिति स्थिर है और दोनों पर निगरानी रखी जा रही है।

तमिलनाडु के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि चेन्नई में जिल दो बच्चों में ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस (एचएमपीवी) की पुष्टि हुई है उनका इलाज किया जा रहा है तथा इससे संबंधित विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। अहमदाबाद के बच्चे में सर्दी और बुखार के लक्षण हैं। निजी अस्पताल की एक लैब के अनुसार, बच्चे की एचएमवीपी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बच्चा मोडासा के नजदीक एक गांव का रहने वाला है।

द्रमुक सरकार को एक के बाद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने सरकार से बार-बार कहा कि राष्ट्र गीत को महत्व दिया जाए, पर सरकार ने एक नहीं सुनी और राष्ट्रगीत के अपमान की वजह से राज्यपाल ने सदन से बहिर्गमन किया।

पोस्ट में लिखा है कि "सदन में जब राज्यपाल आए तो राज्य गीत तमिल थाई वायतू गाया जा रहा था। राज्यपाल ने सदन को संवैधानिक कर्तव्यों की याद दिलाई और मुख्यमंत्री, जो सदन के नेता हैं, तथा स्पीकर से कहा कि राष्ट्र गीत गाया जाए तो उन्होंने इन्कार कर दिया। यह गंभीर चिंता का विषय है।

राज्यपाल संविधान और राष्ट्रगीत के अपमान का हिस्सा नहीं बन सकते थे, इसलिए क्षुब्ध होकर वे सदन से बाहर आ गए।"

मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा राज्यपाल ने, लगता है, सदन को संबोधित करने की संवैधानिक प्रक्रिया का उल्लंघन करने की परम्परा बना ली है। सरकार द्वारा तैयार भाषण पढ़ना राज्यपाल का संवैधानिक दायित्व है।

अब यह स्पष्ट है कि द्रमुक इसे मुद्दा बनाएगी। स्टालिन ने राज्यपाल के व्यवहार पर एक्स पर लिखा कि "राज्यपाल का व्यवहार बेहद बचकाना है, पहले तो वे भाषण में मनमाने तरीके से कटौती कर देते थे और इस बार तो वे बिना भाषण पढ़े ही चले गए। राज्यपाल लगातार तमिलनाडु की जनता का, जनता द्वारा चुनी हुई सरकार का, और 100 साल पुरानी तमिलनाडु विधानसभा का अपमान कर रहे हैं।"

उन्होंने कहा कि ऐसा व्यक्ति पद पर क्यों है, जो अपनी राजनैतिक और कानूनी जिम्मेवारियां निभाना नहीं चाहता है? यह सवाल सभी के दिल में है।"

अब राज्यपाल के एक्शन के बाद सरकार अन्ना युनिवर्सिटी में हुए बलात्कार कांड से जनता का ध्यान हटाने में सफल हो सकती है। सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष में इस मुद्दे पर जमकर नारेबाजी हुई।

सत्ता पक्ष का कहना है कि राज्यपाल सभी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति हैं। जिन कमियों की वजह से अन्ना युनिवर्सिटी में यह घटना हुई, उसके लिए राज्यपाल जिम्मेदार हैं। विपक्ष ने भी सवाल किए "कौन है "सर", जिसके पोस्टर चेन्नई में लगे हैं। विपक्ष ने सरकार से कहा कि बलात्कार कांड के दूसरे आरोपी को पकड़ा जाए।

नारेबाजी के बीच राज्यपाल रवि ने पहले राष्ट्रगीत और फिर राज्य गीत बजाने को कहा, पर पहले राज्य गीत बजाया गया तो उन्होंने राष्ट्रगीत व संविधान का अपमान करने का आरोप लगाते हुए वॉक आउट कर दिया। कांग्रेस ने भी राज्यपाल के इस कृत्य की आलोचना की।

नारेबाजी के दौरान, स्पीकर ने मार्शल बुलवाकर अन्ना द्रमुक सांसदों को बाहर निकाल दिया और राज्यपाल का अभिभाषण पढ़ दिया। स्पीकर ने सरकार का बचाव किया व कहा कि राष्ट्र गीत से पहले राज्य गीत बजता है, यही परम्परा है। गत वर्ष फरवरी में भी राज्यपाल ने अभिभाषण की विषय वस्तु के मुद्दे पर सदन को संबोधित नहीं किया था। बाद में संशोधित अभिभाषण को उन्होंने स्वीकार किया। इससे पहले भी आर.एन. रवि ने सदन से वॉक आउट किया था।

दिल्ली में भाजपा की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मीटिंग करेंगे।

आर.एस.एस. के कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा, "जैसा महाराष्ट्र और हरियाणा में किया था, आर.एस.एस. अपने विभिन्न संगठनों के माध्यम से पूरे राज्य में सैकड़ों मीटिंग आयोजित करेगी। उदाहरण के लिये, "लघु उद्योग भारती", जो लघु, छोटे एवं मध्यम दर्जे के उद्यमियों का प्रतिनिधित्व करता है, व्यापारियों एवं उद्यमियों के साथ मीटिंग करेगा, "सेविका समिति" की स्वयंसेविकाएं महिला मतदाताओं से सम्पर्क करेंगी, "सेवा भारती" के कार्यकर्ता, जो जे.जे. क्लस्टर्स में काम कर रहे हैं, आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के साथ संवाद करेंगे।"

आर.एस.एस. और भाजपा के वरिष्ठ नेता पिछले महीने से परस्पर समन्वय कर रहे हैं ताकि पार्टी के प्रचार-अभियान की रूपरेखा बनाई जा सके। जिसमें अवैध अप्रवासन केन्द्रीय बिंदु रहेगा।

उपरोक्त व्यक्ति ने कहा, "आर.एस.एस. के पास अवैध अप्रवासन की जाँच करने एवं रोकने के लिये स्पष्ट एजेंडा है। दिल्ली में, अवैध रूप से आकर बस जाने वालों का मुद्दा दशकों से चला आ रहा है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से यह समस्या म्याँमार और बाँग्लादेश से आये उन लोगों के कारण ज्यादा विकट हो गई है, जो वैध स्वीकृति के बिना शहर में न केवल रह रहे हैं, बल्कि कुछ लोगों ने तो पैसे देकर वोटर कार्ड जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों की व्यवस्था भी कर ली है, जिसके कारण सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी पैदा हो गई हैं।"

भारतीय संविधान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधि विश्वविद्यालय, यानी नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद के साथ मिलकर हिंदी भाषा में भारतीय संविधान पर पाठ्यक्रम शुरू किया।

इस ऑनलाइन पाठ्यक्रम में 15 वीडियो में हमारे संविधान के महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया जाएगा। यह पाठ्यक्रम लोगों को संविधान के सार, इसकी ऐतिहासिक यात्रा और आधुनिक भारत को आकार देने में इसकी भूमिका की गहरी समझ प्रदान करने के लिए बनाया गया है।

इस पाठ्यक्रम को हिंदी में पेश करने का निर्णय इसे व्यापक रूप से दर्शकों तक पहुंचने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह पहल केवल शिक्षा के बारे में नहीं है बल्कि यह सशक्तिकरण के बारे में है।

यह प्रत्येक व्यक्ति को हमारे लोकतंत्र की नींव के बारे में जानने, अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों को समझने तथा मजबूत और अधिक समावेशी भारत के निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने का अवसर प्रदान करता है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेरा। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908